एक मिनिट प्रतियोगिता

- खड़े होकर, फिर बैठकर गवासन मुद्रा में नमोस्तु कहना।
- आचार्य श्री के संघ के 'नि' से शुरू होने वाले महाराज का नाम बोलना।
- आचार्य श्री के संघ की माताजी का नाम।
- चतुर्मास स्थल का नाम (आ.श्री.)
- पंचकल्याणक स्थल के नाम जहाँ आ.श्री. द्‌वारा पंचकल्याणक किये गये हो।
- ''नर्मदा का नरम कंकड, तोता क्यों रोता'' दोहराना।
- ''जुड़ो न जोड़ो, जोड़ा छोड़ो जोड़ो तो, बेजोड़ जोड़ो'' दोहराना।
- ''मेरे गुरूवर महान हैं, भारत देश की शान हैं'' दोहराना।
- ''ऊँ नमः सबको क्षमा, सबसे क्षमा, उत्तम क्षमा'' दोहराना।
- आ. श्री. से संबंधित भजनों का मुखड़ा गाना 1 मिनट में।
- आ. श्री. से संबंधित मुक्तकों को कहना।
- आ. श्री. का जाप मंत्र दोहराना।
- आ. श्री. का अर्घ (पूजन) दोहराना।
- अष्ट द्रव्य प्रतियोगी को देना और छोटी प्लेट में अष्ट द्रव्य बनाकर आ. श्री. की पूजन का अर्घ मंत्र बोलकर स्वाहा करना (action)
- गुरूजी की आगवानी आपके नगर में होनी हैं तो आप आगवानी पर 1 मिनट में कौन–कौन से भजन गायेंगें।
- आपको आ. श्रो. के पास बैठने का अवसर मिला तो आप आ.श्री. से क्या–क्या प्रश्न पूछेंगे।
- ''अध्यात्म सरोवर के राजहंस, जीव दया के मसीहा संत शिरोमणि आचार्य गुरूवर विद्यासागर जी महाराज की जय। बारबार बोलना है।
- आपको चावल+कालीमिर्च मिलाकर देना। कालीमिर्च छाँटकर ''गुरु'' लिखना।
- आ.श्री. द्‌वारा रचित कृति के नाम (पुस्तक/शतक/भक्ति)
- '' आ.श्री. शांतिसागर, आ.श्री. वीरसागर जी, आ.श्री. शिवसागर जी, आ.श्री. ज्ञानसागर जी, आ.श्री. विद्यासागर जी महाराज की जय'' दोहराना।
- प्रत्येक हाइकू के बाद ''आचार्य भगवन की जय'' कहना।
- ''तेरी दो आँखें तेरी ओर हजार सतक हो जा'' दोहराना।
- ''नवधा भक्ति के नाम बताना पर उल्टे क्रम से ।
- पंच परमेष्ठो के नाम उल्टे क्रम से बोलना। 1 मिनट तक दाहराना।
- पंचे पहनना/साड़ी पहनना 1 मिनट में कितनी बार पहन सकते हैं।
- शिक्षा का उद्‌देश्य जीवन का निर्वाह नहीं ,निर्माण है। दोहराना

- प्रतियोगी को मूकमाटी के शब्दों/पात्रों की लिस्ट पढ़ने देना है तथा एक मिनिट में वह कितने शब्द याद करके सुना सकता है। जैसे– कुम्हार, माटी, सेठ, कलश मछली, राही, हीरा, कम बल, परिसर, अबला, नारी, उपाश्रम, परिश्रम, शंकर, याद, वर्णलाभ, दया, महिला, आस्था, स्वभाव, उपसंहार अदि
- धागे में एक एक करके सुई पिरोना और कहना है सुई बनो कैंची नहीं।
- खेती बाडी ह, भारत की मर्यादा, शिक्षा साडी है। दोहराना है
- आ. श्री के गृहस्थ जीवन से संबंधित लोगा के नाम बताना।